जैविक खेती से मिली पहचान बढ़ी आमदनी

कट्स एवं एचजीवीएस दौसा द्वारा स्वीडन सोसायटी फोर नेचर कन्जरवेशन स्वीडन के सहयोग से संचालित प्रो–ऑर्गेनिक राजस्थान में जैविक खेती को बढावा देने के लिये परियोजना का प्रभाव दिखाई देने लगा हैं। पंचायत समिति लालसोट के ग्राम पंचायत बिदरखा के किसान शिवशंकर शर्मा की पहचान जैविक खेती उत्पादक एवं जागरूक किसान के रूप में होने लगी हैं। लालसोट से जयपुर मार्ग पर बसा हुआ राजस्व गांव हैं, जो पंचायत समिति लालसोट एवं जिला दौसा से लगभग 40 किलोमीटर दूरी पर दक्षिण दिशा में बसा हुआ हैं। गांव में कुल 1500 घर हैं जिनमें 300 सामान्य, 350 ओबीसी, 450 एसटी, 400 एससी जाति के हैं। गांव के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि हैं। इस कृषक ने प्रो–ऑर्गर्निक परियोजना से जुड़कर के जो उपलब्धियां हासिल की हैं। वह संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत हैं।

इस गांव में एक क्लब बनाया गया हैं "किसान क्लब" और प्रत्येक सदस्य ने 200 रूपयें प्रति माह का अंशदान करते हुये क्लब के बचत खाते में लगभग 1,06,000/– रूपयें की राशि जमा की हैं। इन सदस्यों ने जैविक खेती को अपना रखा हैं। इसमें कट्स इन्टरनेशनल एवं एचजीवीएस दौसा के मार्गदर्शन में जैविक

खेती में उद्यानिकी जैसे अदरक बीज उत्पादक वर्मी यूनिट, कीटनाशक दवाई, ऐरीगेशन प्लॉन्ट, वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम को सफल बनाया। इस कृषक के यहां 75 हैक्टेयर भूमि पर ऑर्गेनिक फार्मिंग को अपनाया जा रहा हैं। जिसको देखने के लिये जिले एवं अन्य जिलों के बाहर के किसान भी विजिट के रूप में इनके फार्म को देखने के लिये आते रहते हैं।

इनके फार्म पर जैविक खेती के रूप में गेहूं, मेथी, सरसों, मूंगफली, मक्का, उडद, मूंग, ज्वार, गवार एवं सामान्य सब्जियां भी उगाई जा रही हैं। इनके इस कार्यक्रम को देखकर के विश्वविधालय बीकानेर के डॉयरेक्टर एस.के. राठौड साहब ने जैविक कृषि पाठ्यक्रम के तहत प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। साथ ही राजस्थान कृषि एवं ग्रामीण बागवानी विकास संस्थान् राहोड़ी जयपुर के द्वारा भी इनको प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया गया। इसके अलावा नेशनल इन्सटीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग इन्स्टीट्यूट जयपुर द्वारा भी इनको सम्मानित किया गया और तो और इस जैविक खेती ने आईएचआईटीसी दुर्गापुरा से भी इनको प्रशंसा प्रमाण पत्र दिया गया। इसी क्रम में ढेर सारे प्रशंसा प्रमाण पत्रों की लाईन लग गई। ये कृषक महोदय अपने फार्म पर वर्मी यूनिट, अजोला फर्न यूनिट एवं कीटनाशक यूनिट के माध्यम से गरीब कृषक को निःशुल्क सेवायें प्रदान कर रहे हैं और तो और कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि उद्यान पशुपालन में कही भी जिले में कृषि से संबंधित कोई भी कैम्प हैं।

उसमें इनकी जैविक से संबंधित निःशुल्क जानकारियां उपलब्ध करवाते हैं। धन्य हैं ये किसान जिसने कट्स इन्टरनेशनल एवं स्वीडन सोसायटी फोन नेचर कन्जरवेशन को धन्यवाद दिया कि आज उन्ही की वजह से इनके परिवार जमें सरपंच पद मिला। उन्ही की वजह से क्रय विक्रय सोसायटी का अध्यक्ष पद भी इन्ही के व्यक्ति को मिला। इन सभी का कारण ये जैविक खेती को मानते हैं। इनका तो यह तक कहना हैं कि अगर यह कार्यक्रम कट्स गांव गांव में चला देवे तो किसान के साथ देश हित में यह कार्य होगा। इस किसान की इन सब उपलब्धियों को देखते हुये ब्लॉक स्तरीय जैविक प्रोड्यूसर कम्पनी के डॉयरेक्टर का पद भी इनको ही दिया गया। आज इस कृषक के यहां पर बहुत सारे वैज्ञानिक इनसे इस जैविक खेती के बारे में विचार विमर्श करते हुये नजर आते हैं।

जब इनसे यह जानकारी ली गई क्या आपकी आमदनी में कोई इजाफा हुआ हैं तो इनका कहना था कि आमदनी शत प्रतिशत बढी हैं।

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
हनुमान ग्राम विकास समिति
A/4 प्रताप कॉलोनी, सोमनाथ नगर, दौसा